1. "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता" विषयक विशेष व्याख्यान का आयोजन संविधान दिवस 26 नवम्बर 2016 के अवसर पर सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा अम्बेडकर सेन्टर के बैनर तले आयोजित कराया गया। विशेष व्याख्यान के मुख्य वक्ता सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. मंजीत चतुर्वेदी थे। विशेष व्याख्यान में प्रो. मंजीत चतुर्वेदी ने अम्बेडकर के विचारों के संदर्भ में कहा कि अम्बेडकर ने दलित समाज के लिए ही नहीं वरन् समाज के हर दबे कुचले तबके को संविधान में उचित स्थान दिया और उन्हें संवैधानिक अधिकारों के द्वारा मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया। कहा जाता है कि विचार कभी भी मरते नहीं। इस तरह देखा जाय तो अम्बेडकर के विचार इस उत्तर आधुनिक दौर में प्रासंगिक हैं। आज अम्बेडकर के विचारों को समस्त जनमानस को अपनाना होगा, तभी शायद मानव समाज "वसुधैव कुटुम्बकम" की वैचारिकी से पोषित होगा। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विमल कुमार लहरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरूणा कुमारी ने किया।

2. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सामाजिक विज्ञान के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न नुक्कड, नाटक आदि प्रस्तुत किये गये। इन नुक्कड, नाटकों के माध्यम से छात्र–छात्राओं ने समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक बुराईयों को दूर करने का संदेश दिया। साथ ही साथ महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

3. राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सामाजिक विज्ञान के छात्र–छात्राओं में संविधान दिवस 26 नवम्बर 2016 के अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विमल कुमार लहरी एवं डॉ. अरूणा कुमारी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन कराया गया।

4. अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्र–छात्राओं ने कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विमल कुमार लहरी एवं डॉ. अरूणा कुमारी के मार्गदर्शन में अम्बेडकर के विचारों को प्रचारित प्रसारित करने का दृढ़ संकल्प लिया।